सत्य और अर्थपूर्ण जीवन की खोज करने वालों के लिए

मृत्युंजय ख्रिस्त

लेमेन्स इवैंजलिकल फैलोशिप इंटरनेशनल, जनवरी-फरवरी 2020

इस साल की शुरुआत में यीशु

आदि में परमेश्वर ने ... (उत्पत्ति 1:1)

बाइबल इस कथन से शुरु होती है - 'आदि में परमेश्वर ने ...', इस साल की शुरुआत में, क्या वह परमेश्वर है जिसकी हम खोज कर रहे है और जिसकी हम आराधना कर रहे है? क्या वह आपके जीवन में आया है?

परमेश्वर ने पचहत्तर साल की आयु में इब्राहीम को बुलाया। तब तक उसने मूर्तिपूजा सीख ली थी। उसके पिता भी एक मूर्तिपूजक थे। और इब्राहीम ने मूर्तिपूजा को परमेश्वर की वास्तविक पूजा मानता था। तब परमेश्वर उनसे मिले और तब इब्राहीम का जीवन शुरू हुआ था। लेकिन पचहत्तर साल बर्बाद हो गये! वे साल दफन है। हमारी मृत्यु से पहले हम में से कई लोग, हमारे सालों को दफना रहे है। इससे पहले कि हमें कब्र तक ले जाया जाए, हम खुद को कब्र में ले जा चुके है। शायद कुछ भले स्वर्गदूत हमारी कब्र पर रोते होंगे -

.....शुरुआत में.. पृष्ठ 2 पर

इस कारण मैं उस पिता के समक्ष घुटने टेकता हूँ ... कि उसकी अपनी महिमा के धन के अनुसार तुम्हें भीतरी मनुष्यत्व में सामर्थ्य पाकर बलवान होते जाओ। (इफिसियों 3:4-19)

यीशु हमारे लिए उनकी महिमा का धन लाते हैं। जब आप मसीह के पास आते हो, तो आप एक खाली कब्र के सामने अपने आपको खड़ा पाते हो। 'मदीना' में आप मुहम्मद की कब्र पाओगे। इतिहास के महान जन सब अपनी-अपनी कब्रों में दफन है। मगर यीशु की कब्र उनको दफन ही नहीं रख पाई। यीशु की कब्र खाली है। खाली कब्र ही यीशु के जीवन की महिमा का वर्णन करता है। उनका जीवन ऐसा था कि कब्र उसे दफन नहीं रख सका। हम पहले उस कब्र के पास जाते है क्योंकि हम विश्वास करते है कि वह हमारे लिए मरे हैं। यदि क्रूस पर उनकी मृत्यु ना हुई होती, हमारे और आपके पास कोई आशा नहीं होती। वह पवित्र है, मगर हम अपवित्र है। उन्होंने हमारी जगह ले ली और 'हमारे' लिए मर गए। इस विश्वास के साथ जब हम उनकी कब्र के पास खड़े होते हैं, एक महान अनुग्रह आकर हमें अभिभूत कर देता है। हम अनुग्रह ही के द्वारा मुफ्त बचाये गये हैं।

एक समय पर, हम परमेश्वर से डरते थे, और विश्वास करते थे कि, अगर हम उनकी आज्ञाओं का पालन करेंगे तो हम उनका आशीर्वाद पायेंगे। एक समय था, जब हममें से हर एक उनके सामने थरथराता था। मगर अब, उनके अनुग्रह और प्रेम को देख हम अचंभा करते है। और उसी अनुग्रह से एक सामर्थ्य निकलता है जो हमारे हृदय में भर जाता है। 'उसके आत्मा के द्वारा अपने भीतरी मनुष्यत्व में सामर्थ्य पाकर बलवान होते जाना।'

आप समझ नहीं पाओगे कि अब आप एक पवित्र जीवन कैसे जी पा रहे हो। ऐसा जीवन जीने के लिए वह सामर्थ्य ही आपको आगे बढ़ा रहा है। आप मर गये होते, मगर आप के बदले में यीशु ने आपकी जगह ली और कब्र में दफनाये गये। उस महिमा के धन को उन्होंने आपके लिए मुक्त किया।

इफिसियों (4:8) इस प्रकार कहता है। 'इसलिए वह कहता है, 'जब वह ऊँचे पर चढ़ा तो बन्धुओं के समूह को बन्धुवाई में ले गया और उसने मनुष्यों को दान दिए।' वह बन्धुओं के समूह को बन्धुवाई में ले गया। यह कितना अद्भुत कथन है। हम शैतान के बंदी थे, मगर यीशु ने शैतान को हराया और हमें रिहा किया।

जब उन्होंने बन्धुओं के समूह को बन्धुवाई में ले लिया, और उनको दान दिया – ऐसे दान जिसे देख लोग अचंभित होते हैं। और यकीनन जानते कि वे परमेश्वर द्वारा दिये गये है ना कि मनुष्यों के द्वारा।

आत्मिक उन्नति के लिए देखना न भूलें।

परमेश्वर की चुनौती

TV - Star Utsav

चैनल पर

*हर **रविवारसुबह 7:30 से 8:00** बजे*

जब यीशु के नाम से चेलों के द्वारा चंगा किये जाने पर लंगडे आदमी को चलते-उछलते देखा तो याजक विस्मय से भर गये और कुछ नहीं बोल पाये।

चलिए हम कब्र पर चलें और विश्वास करें। महिमा का धन दिया जा रहा है – एक नयी प्रवृति। यीशु परमेश्वर की इच्छाओं के बीचोंबीच रहे। धन्य है वह मनुष्य जो परमेश्वर की इच्छा में बने रहने के लिए स्वयं को नियंत्रित करता है। वह परमेश्वर प्रदत्त सम्पूर्ण स्वतंत्रता को बहुतायत से पाएगा। क्या परमेश्वर की इच्छानुसार जीने में आप कुड़कुड़ाते हैं? क्या आपको इस बात का दुःख है कि परमेश्वर की इच्छा आप पर बहुत ज्यादा प्रतिबंध लगा रहीं है? क्या ये प्रतिबंध आप पर इसलिए नहीं लगाये गए कि आप को जो दान मिले हैं उनका इस्तेमाल महान तरीके से हो?

अब यह कौन है जो सारी प्रधानताओं और सामर्थ्य के ऊपर है? यह वही हैं जिसने परमेश्वर की इच्छा में बने रहने के लिए अपने आपको अंतिम हद तक नकारा। यदि आप वैसा करते है, आप भी ऊँचा उठाये जायेंगे। यदि अचानक आपको कोई आवश्यकता आन पड़े, आप तुरन्त उसे पूरा होते देखेंगे। एक नम्रता, धैर्य और प्रेम का आत्मा आपको भर देगा। यही महिमा का धन है। इससे बढ़कर और क्या हो सकता है?

जो कब्र पर आते हैं, विश्वास करते हैं और परमेश्वर की प्रशंसा करते हैं वे देखेंगे कि परमेश्वर का धन उनके लिए खुला हुआ है – हाँ, परमेश्वर की सारी परिपूर्णता। हम विश्वास नहीं करते है और इसलिए परमेश्वर की सारी सम्पूर्णता को हम प्राप्त नहीं कर पाते हैं। जब आप परमेश्वर के असीमित प्रेम से भर जाते हैं, पूरी पृथ्वी आपकी है। सारे मनुष्य आपके पास आयेंगे। जब वे आप में मसीह का निस्वार्थता और मसीह के आत्मत्याग को देखते हैं, सत्य और धार्मिकता के विषय में मरने तक की तैयारी को वो आपमें देखते है। तब पूरी दुनिया आपके पास आयेगी। संसार ऐसी महिला को देखना चाहता है जो परमेश्वर की महिमा के धन से भरी हुई हो और ऐसे पुरुष को जिसने परमेश्वर के प्रेम की गहराईयों को मापा है।

परमेश्वर की इच्छा करने में महान आजादी है। बहुत कठिन परीक्षण का सामने करते समय, कई मिशनरियों ने अविश्वासनीय चमत्कारों को देखा है। वह जो मुर्दों में से जी उठा, आपको कभी नहीं त्यागेगा। यह आपकी कल्पना, आपकी सोच से परे है कि परमेश्वर के पास आपके लिए क्या है? वह उस सामर्थ्य के अनुसार होगा, वही सामर्थ आप में कार्य कर रहा है। परमेश्वर की योजना आप पर प्रकट होगी। आपकी जरूरत के अनुसार परमेश्वर आपको दान देगा और ये दान उनकी इच्छा पूरी करने में आपकी मदद करेंगे।

जबकि आप उस कब्र में देख रहें हो, यह विश्वास करते देख रहे हो कि मसीह आप के लिए मरे, तो अधिक और अधिक दान उससे निकलेंगे और आपके पास आयेंगे।

- जोशुआ दानिएल

.... मुक्ति देनेवाला प्यार पृष्ठ 1 से

ओह इस आदमी में कितनी महान प्रतिभाएँ थीं! वे सब नष्ट हो गई है। उन उपहारों को कौन फिर से जिन्दा कर पायेगा?

शानदान गणितज्ञ रामानुजम द्वारा खोज किये गये गणित के महान सिध्दांतों का हल आजकल कोई भी सुलझा नहीं पा रहे है। उन्होंने एक सिध्दांत को ईजाद किया, जिस में बैनॉमियल थीरम (द्विपद प्रेमय) मेकलॉरेन थीरम, दे मोआरीस सूत्र, ये तीनों उस में समाविष्ट है। उन्होंने उस थीरम का प्रतिपादन करना चाह रहा था कि वह बीमार पड़ गये। वे क्षय रोग से पीड़ित थे। दवाओं से कुछ फायदा नहीं हुआ। और जब उनका देहान्त हुआ था, दुनिया भर के महान गणितज्ञों ने बहुत दुख महसूस किया था। वह इतना मेधावी था। हाँ, इस दुनिया के महान गणितज्ञ, रामानुजम जी की मौत को लेकर इतना खेदित थे। तो फिर आपकी मृत्यु पर परमेश्वर कितना रोते हैं? परमेश्वर आपके जीवन में कभी नहीं आये। मगर परमेश्वर इब्राहिम के जीवन में आये। तब वह सिर्फ अब्राम था। मगर वह सौ साल की उम्र में इब्राहिम बना। और वह एक पिता भी बन गया था।

'आदि में परमेश्वर ने .....' क्या परमेश्वर आपके जीवन में आये? किस उद्देश्य से आपका सृजन हुआ, क्या उन्होंने वह बात आप को दिखाई? कुछ नौजवान प्रेम कलापों में बिना समझे-बुझे गिर जाते है। और उनकी सारी प्रतिभाएं दफन हो जाते है। इस दुनिया के सिर्फ चाल-ढाल में

ALLAHABAD : Beautiful Books, 194A, Old Mumford Ganj,Pin Code-211 002, Uttar Pradesh, Ph.0532- 2642872.
BANSI : Eton English Medium School,Chitaunakothi,Siddharth Nagar Dt, Pin Code-272 153, Uttar Pradesh, ph.05545-255002
CHENNAI : LEF Head Quarter, 9-B, Nungambakkam High Road, Chennai, 600 034, 044-2827 2393
MUMBAI : Beautiful Books, Lal Building, Goa Street, Near GPO, CST, Pin Code.400001, Ph.022-56334763/ 25008840
GANGTOK : Beautiful Books, P.B.No.94,31A, National Highway, Below High Court, Sikkim, Pin Code.737101 Ph.03592-228733
SHILLONG : Beautiful Books, P.B.No.39, Nongrimbah Road, Laitumkarh,Pin Code.793003, 0364-2501355

नखरेबाज रह जाते है। और ये मूर्ख लोग एक दूसरे को देखते, समय बर्बाद करते हैं। जो परमेश्वर से कभी नहीं मिले, वे ऐसे है। मगर ऐसी औरतें भी है जो शादी करने के बाद परमेश्वर ने जो महान उपहोरों को उनके पति में छिपाया है, उन सब को बाहर ले आना चाहती हैं। एक बुद्धिमति स्त्री जो विश्वास के साथ अपना घर बनाती है, अपने पति और बच्चों में छिपी आध्यात्मिक क्षमता को खुले में ले आती है।

इससे, पहले कि मैं शादीशुदा हुआ, मालूम पड़ा कि कॉलेज में मेरी धर्मनिष्ठा के बारे में मेरे बहनोई ने जाकर मेरी होने वाली पत्नी को बताया। हालाँकि उस समय उसने कभी नहीं सोचा था कि वह मुझ से शादी करेगी। लेकिन उसने मुझ से शादी की। मैं उसके साथ रहूँगा या प्रार्थना करने के लिए किसी जंगल में भाग जाऊँगा सोच उसे कुछ डर तो था। लेकिन वह कहती थी, 'यह क्या है, मेरे भाई ने मुझे आपके बारे में बहुत कुछ बताया। लेकिन वह सब अब नहीं देख पा रहीं हूँ!'

मैंने सोचा था कि शादी के बाद मुझे अपनी आध्यात्मिक आदतों में कुछ समझौता करना पड़ेगा। मगर उसने कहा, 'मैं उस पवित्र व्यक्ति को देखना चाहती हूँ जिस के बारे में मुझे बताया गया था।' इससे मुझे बहुत लाभ हुआ। नहीं तो मैं अपने आध्यात्मिक जीवन में स्थिरता गवाँ बैठता। धन्य है ऐसी औरतें जो आपने पति में, परमेश्वर ने जो अनुग्रहों को छिपाया है उनको बाहर निकालने का प्रयास करती है। ऐसे आदमी भी है जो अपनी पत्नियों में, परमेश्वर ने जो उन में छुपाया बाहर निकालना चाहते है। कुछ आदमियों ने एक महान खोज़ की है वे कहते है, 'मेरी पत्नी बहुत अच्छी बावर्ची है।' इसलिए नए साल के दिन, अच्छा खाने की मांग की जाती है।

लेकिन दुसरे आदमी कहते है, 'मेरी पत्नी रसोइया बनकर, अपने में एक महान प्रचारक को दफना रही है। यह एक बहुत दुख की बात है कि उसका सारा समय रसोई में लग रहा है।' हाँ, मेरे भाई, आपको अपनी पत्नियों की मदद करनी चाहिए कि उन में छुपी प्रतिभा बाहर आये। एक महीला सारी कलीसियाँ को बदल सकती है। किसने सोचा कि सारा इतनी महान माँ बन सकती है? उसे कैसा सम्मान मिला! इब्रानियों के ग्यारहवें अध्याय में उसका उल्लेख है - विश्वास की भूमिका - और रोमियों के चौथे अध्याय में। बाइबल सारा का जिक्र नहीं छोड़ सकती। और सन्त पौलुस कहते है, 'आप सारा की बेटियाँ है।' क्यों? क्या सारा आपके विश्वविद्यालय की प्रिंसपल है? या वहाँ की एक प्रोफेसर है? नहीं, वह एक प्रार्थना करने वाली महिला थी। 'विश्वासियों के पिता' – इब्राहीम की वह एक सच्ची साथी थी। इब्राहीम की पत्नी बनना कोई आसान बात नहीं थी।

'आदि में परमेश्वर ने ...', इस नए साल की शुरुआत में ही परमेश्वर आपके पारिवारिक जीवन में पूरी तरह से आएँ। इस महान परमेश्वर के हाथों और परवाह में, क्या बच्चों समेत आपने और आपकी पत्नी ने अपने आप को सौंप दिया है? या अपने बच्चों के लिए अपने मन में सिर्फ सांसारिक अभिलाषाएँ है। यूरोप में मेड़म गयोन नामक एक औरत थी। उसकी माँ ने कभी उसकी प्रतिभा नहीं देखी। मगर उसके पिताजी ने पहचाना। उसके पति और सास ने उसको बहुत सताया था। लेकिन अपने जीवन के अन्त में उसके पति ने कहा था, 'ओह मेरी पत्नी एक प्रतिभाशाली औरत और एक स्वर्गदूत जैसी है। मैं उसके योग्य नहीं हूँ।' फिर सास भी, अपने बेटे की मौत के बाद, अपनी बहू की कदर करने लगी। फिर फ्रान्स के मसीही लोगों भी उसका मान सम्मान करने लगे। जब लोग उनसे बात करते, वे परिवर्तित होकर घर लौटते थे। उसके विचार इतने ऊँचे थे कि परमेश्वर के सन्तों उनसे रोमांचित होते थे।

लोग आप के घर में आ रहे है। उनको स्वर्ग तक उठाने वाले क्या आपके विचार है? आपके विचारों से क्या वे रोमांचित हो जाते हैं? आपके मुँह से क्या बातचीत निकलती है? हे नौजवान, क्या आपके दिल में स्वर्ग का खजाना है? आपका खजाना है - अनमोल परमेश्वर के विचार!

शायद आपकी पत्नी किताबें लिख सकती है। और पूरी दुनिया को उनसे फायदा हो सकता है। उसकी मौत के बाद हो सकता है कोई उसकी जीवनी लिखे। और लाखों महिलायें उस किताब को पढ़कर आशीष पाये।

इस राष्ट्र को संतों जैसी महिलाओं की जरूरत है। ऐसी धर्मनिष्ठ महिलाओं से हमारी कलीसियाँयें भर जाये, तो हमारे बच्चे अलग ही होंगे। उन्नीस बच्चों वाली माँ सुसन्ना वेस्ली - वह कैसी शानदार औरत थी। मेथोडिजम के संस्थापक जॉन वेस्ली को उसकी माँ ने कैसे परामर्श और निर्देशित किया। क्या उन सब बच्चें के लिए उसके पास समय था? हाँ! धर्मी महीलाएँ जादूगरों की तरह हैं। वे कैसे काम करती है और कितनी अच्छी तरह से सब संभालती है! वे अपने पति को कैसे सलाह देती है! वे कैसे अपने बच्चों को सिखाती हैं! सब इतनी अच्छी तरह से संभालती है मानो उसके पास कोई जादू हो।

'आदि में परमेश्वर ने...,' राजा सुलैमान के पास शुरुआत में परमेश्वर था। उसने ज्ञान पाने की प्रार्थना की। और परमेश्वर ने उसे धन दौलत भी दी। मगर उसने अपनी मध्यम आयु में आकर परमेश्वर को पिछले स्थान में धकेल दिया। औरतों ने उसके दिल पर कब्जा कर लिया। उन्होंने मूर्तियों के लिए मंदिर बनवाए। परमेश्वर इन सब बातों से दुःखी होता।

हम में से कुछ लोग शायद कुछ समय तक परमेश्वर का अनुसरण कर रहे हो। मुझे अपने आप से बहुत डर लगता है। अब तक मैं परमेश्वर के प्रति वफादार रहा हूँ। क्या मैं अपने जीवन के अंत तक ऐसा रहूँगा? यह बहुत मुश्किल है। राजा सुलैमान जैसे आदमियों को शैतान पकड़ लेना चाहता है। उसे कैसे अद्भुत परंपराओं का पालन करना था। परमेश्वर के कैसे वादे थे! कैसी प्रार्थनायें और अपने पिता की चेतावनी उसे मिले! लेकिन उनका मार्गदर्शन करने के लिए उनकी कई पत्नियों में से एक भी नहीं थी। उसके बेटों में से कोई भी उसको रास्ता नहीं दिखा पाये। उसे सुधारने के लिए कोई नबी नहीं था। पूरे राष्ट्र के लिए यह कैसा नुकसान दायक था।

क्या परमेश्वर हमेशा आपके साथ है? आपने कॉलेज खत्म कर लिया है। आप नौकरी कर रहे हो। और आपको एक बड़ा पद भी मिल गया है। क्या परमेश्वर आपके साथ है? जब आप सर्वोच्च पद पर उन्नति पाते हो क्या यीशु आपके जीवन में सब से महत्वपूर्ण व्यक्ति है? परमेश्वर ने इब्राहीम से क्या कहा? 'इब्राहीम, तुम मुझ से एक बेटा माँग रहे हो। लेकिन मैं तेरा प्रतिफल हूँ। मैं आदि हूँ, मैं मध्य उपस्थित हूँ और मैं अंत में रहूँगा। मैं अल्फा और ओमेगा हूँ। तेरा सारा जीवन पूरी तरह से सफल होगा। शैतान तेरे जीवन का कोई भी भाग चोरी नहीं करेगा। इब्राहीम, मैं तेरा प्रतिफल हूँ।'

हम में से कितनों के लिए परमेश्वर एक अति महान प्रतिफल है। मुझे इस दुनिया में और कुछ नहीं चाहिए। अगर मसीह मेरे साथ है तो वह काफी है। तब परमेश्वर अपने काम को आशीर्वाद देंगे और सौईयों परमेश्वर का वचन सुनने का कारण बनेंगे। अगर मुझ में कोई स्वार्थ होगा, अगर मैं अपनी मर्जी के मुताबिक कुछ भी करूँ, परमेश्वर मेरे जीवन से आने वाले किसी भी आशीर्वाद को मिटा दें।

'भय सहित यहोवा की उपासना करो, और थरथराते हुए मग्न हो।' (भजन संहिता 2:11) थरथराते हुए मग्न हो? हम क्यों थरथराये? अगर हम भय से थरथरा रहे हो तो कैसे मग्न हो? क्या ये परस्पर - विरोधी विचार है? तेरा परमेश्वर महान है। हम इस तरह आपको महान वादे दिये है। हम इस तरह कहे, 'यह महान वादे हैं, क्या मैं उनको बरकरार रख पाऊँगा? उनको निभाने के लिए क्या मेरा सही तरह का अनुशासन है? क्या मेरी पत्नी इसके बराबर योग्य है? क्या मेरे बच्चे इस में मेरा समर्थन करेंगे?'

'आदि में परमेश्वर ने, ...' मध्य में परमेश्वर और अंत में भी परमेश्वर। जब मैं महान मिशनरियों की जीवनी को पढ़ता हूँ, मैं परमेश्वर का धन्यवाद करता हूँ। जब मैं ने सुन्दर संग के बारे में सुना था (जो तिब्बत गये महान मिशनरी है।) मैं उनका धन्यवाद करता हूँ कि उन्होंने ईश्वर के ऐसे जन को खड़ा किया है। जब भी मैं एक धर्मी व्यक्ति को देखता हूँ, तो मैं परमेश्वर को धन्यवाद देता हूँ। मैं उनके लिए बहुत आनन्दित होता हूँ। यह कैसा आशीर्वाद है! 'थरथराते हुए मग्न होना'

राजा आसा जो परमेश्वर के साथ चला था, अपने जीवन के अंत में परमेश्वर की इच्छा से चूक गया था। यह कैसा नुकसान है! आदि, मध्य और अंत में परमेश्वर। अंदर और बाहर परमेश्वर, अलफा और ओमेगा वहीं है। यह नया साल आपके लिए ऐसा हो। 'थरथराते हुए मग्न हो।' परमेश्वर आप सब का भला करें।

एन दानिय्येल।

उल्लेखनीय प्रावधान

परमेश्वर ने जो मुझे चाहिए था वह कभी नहीं दिया। उन्होंने हमेशा मुझे ज्यादा दिया है। प्रमाण के रूप में, मैं आपको निम्नलिखित एक छोटी सी कहानी बताऊंगा:

जब मैंने शादी की, मैं एक कामकाजी आदमी था। इसलिए मेरे पास अतिरिक्त पैसे नहीं थे। मेरी शादी के लगभग तीन महीने बाद, मैं बीमार पड़ गया। मेरी वह बीमारी नौ महीने से अधिक समय तक जारी रही।

उस समय, मैं बहुत संकट में था। मेरे पास पैसे की राशि बकाया है, और उसे चुकाने का कोई मार्ग नहीं था। किसी निश्चित दिन पर भुगतान किया जाना चाहिए, नहीं तो मुझे जेल जाना पड़ता। मेरे पास न तो अपने लिए और न ही मेरी पत्नी के लिए भोजन था। इस संकट के बीच में, मैं अपने कमरे में गया, और अपनी बाइबल ली। मैं अपने घुटनों पर बैठ गया, और इसे खोल दिया। बाइबल में कई वादों पर अपनी उंगलियां रखीं, और उन्हें मेरा अपना कहके दावा किया। मैंने कहा: "प्रभु, यह वचन स्वयं आपका अपना शब्द है। मैं आपके वादों का दावा करता हूं।" मैंने विश्वास के साथ उन्हें थामें रहने का प्रयास किया। मैंने कुछ समय के लिए परमेश्वर के साथ कुश्ती

सत्य की परख!

"और उन सब के लिए जो उसको पुकारते है अत्यंत धनी है। क्योंकि, 'जो कोई प्रभु का नाम लेगा वह उध्दार पाएगा।' " (रोमियों 10:12-13)

"धन्य है वह मनुष्य जो यहोवा पर भरोसा रखता है और जिसका भरोसा यहोवा ही है। क्योंकि वह उस वृक्ष के समान होगा जो नदी के किनारे लगाया गया हो और जिसकी जड़ें जल तक फैली हों; जब गर्मी पड़ेगी तो उसे कुछ भय न होगा, परन्तु उस के पत्ते हरे-भरे रहेंगे; और सूखे के वर्ष में भी उसे कुछ चिन्ता न होगी और वह निरन्तर फलता रहेगा।" (यिर्मयाह 17:7-8)

"वह मेरे जी में जी ले आता है, धार्मिकता के मार्गों में वह अपने नाम के निमित्त मेरी अगुवाई करता है।" (भजन संहिता 25:3)

लडी। मैंने फिर खड़े होकर कुछ समय के लिए आगे पीछे घूमता रहा। फिर मैं अपने बिस्तर पर गया, और अपनी बाइबल ली, और इन शब्दों पर खोला: "संकट के दिन मुझे पुकार; मैं तुझे छुड़ाऊंगा, और तू मेरी महिमा करेगा।" मैंने कहा: "यह काफी है, प्रभु।"

मुझे पता था कि उद्धार आएगा, और मैंने पूरे मन से परमेश्वर की स्तुति की।

मन के इस स्थिति में मैं था कि मैंने दरवाजे पर दस्तक सुनी। मैंने जाकर उसे खोला, और एक आदमी ने मुझे एक पत्र सौंपा। उस पत्र को देखने मैं ने फिरा। दुबारा आंख उठाके देखा तो वह आदमी चला गया था। पत्र में वह राशि थी जो मुझे चाहिये थी। यही कुछ पांच शिलिंग से थोडा ज्यादा। यह अठारह साल पहले की बात है। और मुझे कभी नहीं पता चला कि वह पैसा किसने भेजा था। केवल परमेश्वर जानते है। इस प्रकार परमेश्वर ने मुझे अपने सारे संकटों से मुक्ति दिलाई। उन्हीं को सारी प्रशंसा मिले।

मैं अपने मित्र के जीवन में अनुभव की एक और घटना को भी बताना चाहूंगा।

वह काफी समय से बेरोजगार था। परिणामस्वरूप परिस्थिति ऐसी थी कि वह केवल खुद को भूख से बचाने में सक्षम था। वास्तव में उसके पास सिर्फ आठ पेंस और आधा पैसा मात्र था। साथ-साथ उसका न ही कोई दोस्त था, सिवाय वह दोस्त जो "भाई से भी अधिक करीब है।"

वह गिरजाघर को गया। अतीत के लिए ईश्वर का धन्यवाद किया। और आने वाले कल के लिए परमेश्वर पर भरोसा किया। वहाँ गिरजाघर में डॉ. न्यूटन ने एक मिशनरी समाज के बारे में अपने उपदेश में ज़िक्र किया था। वह समाज बहुत विकट परिस्थिति में है। उस समाज के हित में श्रोताओं की उदारता के लिए, रेव डाक्टर द्वारा की गई गंभीर अनुरोध को, उन्होंने संवेदनशीलता से महसूस किया। और उसने तुरंत अपने पास जो आठ पेंस और आधे पैसे थे, पूरे दे दिए। लेकिन उसने फिर भी उस पर भरोसा किया जिसने फिरौन के हाथों से इस्राएलियों को छुड़ाया।

वह अगले दिन सुबह निर्धन उठे। लेकिन जल्द अपने दैनिक कामों को समाप्त करने के तुरंत बाद एक संदेश आया। उस संदेश में कहा गया कि उन्हें उस सुबह काम शुरू करना है। वह तब से लगातार बेरोजगार कभी नहीं रहे। परमेश्वर ने, अपनी असीम भलाई और दया में, उसे सम्मान की स्थिति में बढ़ा दिया है। सचमुच इस आदमी में, प्रभु के शब्दों को सच साबित किया: "जो मुझे सम्मान देगा मैं उसका सम्मान करूंगा।"

- डब्ल्यू. रॉबिन्सन

प्रावधान में विधवा का विश्वास

"एक शाम," एक धर्मनिष्ठ विधवा महिला ने कहा, "हम अपना रात का खाना खा रहे थे - हमारे पास रोटी के अलावा और कुछ नहीं था। हमारी भूख को संतुष्ट करने के लिए भी रोटी पर्याप्त नहीं थी। 'माँ,' छोटे जॉन ने कहा, जब वह अपना आखिरी निवाला पूरा कर रहा था, 'कल सुबह हम क्या करेंगे? घर में रोटी नहीं है; हमारे पास कोई नाश्ता नहीं होगा।' मैंने उसे जवाब दिया, 'डरो मत, जॉन, परमेश्वर ने हमें नहीं छोड़ा है; आओ हम उससे प्रार्थना करें, और आश्वस्त रहें कि वह हमें याद रखेगा।' मैं ने उसे अपनी बाजू में घुटने टेकने के लिए कहा, और ईश्वर से प्रार्थना की कि वह अपनी भलाई में हमारे ऊपर दया करे, और हमें कल के लिए रोटी दे। फिर मैं ने अपने बच्चे को सुला दिया, उसे यह कहते कि वह परमेश्वर पर निर्भर रहे और शांत सो जाए। और उसे यह भी कहा कि अपना भरोसा परमेश्वर पर रखे, जो उन लोगों को कभी नहीं भूलेगा जिन्होंने अपना भरोसा उन के ऊपर रखा है। मैं स्वयं सोने बिस्तर पर गयी थी, यह विश्वास करते हुए कि परमेश्वर ने मेरी प्रार्थना सुन ली है। और अपने आपको प्रभु यीशु मसीह की सुरक्षा में सौंप दिया। मैं सुबह चार बजे तक आराम से सोयी। जब जॉन ने मुझे जगाया; 'माँ,' उसने कहा, 'रोटी आ गई है क्या?' बिचारा लड़का, रात को खाने के लिए उसे बहुत कम मिला था और वह भूखा ही था। 'नहीं,' मैंने उत्तर दिया, 'अभी तक नहीं आई है, लेकिन चुप रहो और फिर से सो जाओ; रोटी आ जाएगी।' हम दोनों सोने चले गए; मैं सुबह छह बजे से थोड़ा पहले जाग गयी थी, जब किसी ने मेरी खिड़की पर खटखटाया। 'डेम बार्टलेट,' एक महिला ने कहा, 'आपको तुरंत उठना होगा। श्रीमती मार्टिन की दूध वाली बहुत बीमार है। आपको आकर उसकी गायों को दूहना होगा।' और इस तरह हमें रोटी मिली।

'मैं श्रीमती मार्टिन के पास गयी, और उनकी गायों को दूहा ली। बाद में नाश्ता करने के लिए रसोई में बैठ गयी। लेकिन मैं अपने बच्चे के बारे में सोच, खा नहीं पाई। श्रीमती मार्टिन ने मुझे देखते हुए कहा, 'डेम बारलेट, आप अपना नाश्ता नहीं खा रहे हो।' मैं ने उसे धन्यवाद दिया और बताया कि मेरा एक छोटा लड़का है जो बहुत भूखा बिस्तर पर छोड आयी हूँ। अगर वह मुझे अनुमति दे, तो मुझे अपना नाश्ता घर ले जाना चाहती हूँ। 'अब अपना नाश्ता खाओ,' इस तरह का जवाब आया। 'और अपने छोटे लड़के के लिए कुछ अलग से घर ले जा सकती हो।' श्रीमती मार्टिन ने मुझे कुछ किराने का सामान भी एक टोकरी में दी, जो कई दिनों तक मेरे और मेरे बच्चे के लिए पर्याप्त रहा। घर लौटते समय, मैं अपने परमेश्वर को धन्यवाद दिये बिना रह नहीं पाई। मुझे मदद करने वाली दानी के प्रति आभारी महसूस की। नाश्ते को देख मेरे छोटे लड़के का दिल आनन्द से भर गया। वह सीधा उठ गया और श्रीमती मार्टिन की दयालुता का आनन्द उठाया। एक अच्छे नाश्ते के बाद, मैंने उसे अपनी बाजू में फिर से घुटने टेक परमेश्वर को धन्यवाद दिया। अनुग्रहकारी परमेश्वर को हम ने धन्यवाद दिया, जिसने शाम को हमारी प्रार्थना सुनी थी, और जिसने हमें एक दयालु उपदेश दिया था।

जब हम उठे, तो मैं ने उसे अपनी गोद में ले लिया, और उससे कहा,

'अब, जॉन, मुझे आशा है कि हमारे साथ जो हुआ है वह तुम्हारे पूरे जीवन में याद रखोगे। कल शाम को हम ने अपनी सारी रोटी खाई; आज सुबह हमारे पास कुछ भी नहीं बचा था। लेकिन हम ने परमेश्वर से प्रार्थना की कि उनकी दया के माध्यम से, और यीशु मसीह की खातिर, वह हमें हमारी दैनिक रोटी दे। परमेश्वर ने हमें सुना है, और हमें रोटी दी है। अपने स्वर्गीय पिता पर भरोसा रखने के लिए जीवन भर यह तुम्हारे लिए एक सीख हो। तुम इसे कभी नहीं भूल सके, यही मेरी ईश्वर से विनती है।" "और, मैडम," उस भली महिला ने आगे कहा, "मुझे तब से रोटी की कमी न रही। मैं अपने बेटे को ले कर धन्य हूँ, जो अब एक जवान आदमी है। वह मेरी तरफ कर्तव्यपरायण और अच्छा है। परमेश्वर पर भरोसा करने की जो सीख मैं ने उसे दी, उस उपदेश को वह कभी नहीं भूला था।"

और कौन यह कहने की हिम्मत करेगा कि यह गरीब, विनम्र महिला और उसके छोटे घर के हित की बाते, सर्वशक्तिमान परमेश्वर की देखभाल और ध्यान के लिए बहुत महत्वहीन वस्तुयें हैं? क्या परमेश्वर का कोई बच्चा नगण्य है? या कोई भी परिस्थिति जो अपने बच्चों की भलाई का विषय है, परमेश्वर के ध्यान पाने के लिए नगण्य है? "अपनी समस्त चिंता उसी पर डाल दो, क्योंकि वह तुम्हारी चिंता करता है।" क्या इस तरह के वादे, मात्र पृथ्वी के राजाओं और राजकुमारों और महान लोगों के लिए हैं? नहीं! वास्तव में, उच्च या निम्न, अमीर या गरीब, जो भी उस पर भरोसा करता है, उनको आराम देने, बनाये रखने, और सभी को बचाने के लिए, परमेश्वर ने अपने नाम का सम्मान और पवित्रता की वास्ते, प्रतिज्ञा की हैं।

-चयनित

प्रार्थना कैसे करें।

मत्ती अध्याय 5 - पवित्र बाइबल

1 वह इस भीड़ को देखकर, पहाड़ पर चढ़ गया; और जब बैठ गया तो उसके चेले उसके पास आए।
2 और वह अपना मुंह खोलकर उन्हें यह उपदेश देने लगा,
3 धन्य हैं वे, जो मन के दीन हैं, क्योंकि स्वर्ग का राज्य उन्हीं का है।
4 धन्य हैं वे, जो शोक करते हैं, क्योंकि वे शांति पाएंगे।
5 धन्य हैं वे, जो नम्र हैं, क्योंकि वे पृथ्वी के अधिकारी होंगे।
6 धन्य हैं वे जो धर्म के भूखे और प्यासे हैं, क्योंकि वे तृप्त किये जाएंगे।
7 धन्य हैं वे, जो दयावन्त हैं, क्योंकि उन पर दया की जाएगी।
8 धन्य हैं वे, जिन के मन शुद्ध हैं, क्योंकि वे परमेश्वर को देखेंगे।
9 धन्य हैं वे, जो मेल करवाने वाले हैं, क्योंकि वे परमेश्वर के पुत्र कहलाएंगे।
10 धन्य हैं वे, जो धर्म के कारण सताए जाते हैं, क्योंकि स्वर्ग का राज्य उन्हीं का है।
11 धन्य हो तुम, जब मनुष्य मेरे कारण तुम्हारी निन्दा करें, और सताएं और झूठ बोल बोलकर तुम्हरो विरोध में सब प्रकार की बुरी बात कहें।
12 आनन्दित और मगन होना क्योंकि तुम्हारे लिये स्वर्ग में बड़ा फल है इसलिये कि उन्होंने उन भविष्यद्वक्ताओं को जो तुम से पहिले थे इसी रीति से सताया था॥
13 तुम पृथ्वी के नमक हो; परन्तु यदि नमक का स्वाद बिगड़ जाए, तो वह फिर किस वस्तु से नमकीन किया जाएगा? फिर वह किसी काम का नहीं, केवल इस के कि बाहर फेंका जाए और मनुष्यों के पैरों तले रौंदा जाए।
14 तुम जगत की ज्योति हो; जो नगर पहाड़ पर बसा हुआ है वह छिप नहीं सकता।
15 और लोग दिया जलाकर पैमाने के नीचे नहीं परन्तु दीवट पर रखते हैं, तब उस से घर के सब लोगों को प्रकाश पहुंचता है।
16 उसी प्रकार तुम्हारा उजियाला मनुष्यों के साम्हने चमके कि वे तुम्हारे भले कामों को देखकर तुम्हारे पिता की, जो स्वर्ग में हैं, बड़ाई करें॥
17 यह न समझो, कि मैं व्यवस्था था भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकों को लोप करने आया हूं।
18 लोप करने नहीं, परन्तु पूरा करने आया हूं, क्योंकि मैं तुम से सच कहता हूं, कि जब तक आकाश और पृथ्वी टल न जाएं, तब तक व्यवस्था से एक मात्रा या बिन्दु भी बिना पूरा हुए नहीं टलेगा।
19 इसलिये जो कोई इन छोटी से छोटी आज्ञाओं में से किसी एक को तोड़े, और वैसा ही लोगों को सिखाए, वह स्वर्ग के राज्य में सब से छोटा कहलाएगा; परन्तु जो कोई उन का पालन करेगा और उन्हें सिखाएगा, वही स्वर्ग के राज्य में महान कहलाएगा।
20 क्योंकि मैं तुम से कहता हूं, कि यदि तुम्हारी धार्मिकता शास्त्रियों और फरीसियों की धार्मिकता से बढ़कर न हो, तो तुम स्वर्ग के राज्य में कभी प्रवेश करने न पाओगे॥
21 तुम सुन चुके हो, कि पूर्वकाल के लोगों से कहा गया था कि हत्या न करना, और जो कोई हत्या करेगा वह कचहरी में दण्ड के योग्य होगा।
22 परन्तु मैं तुम से यह कहता हूं, कि जो कोई अपने भाई पर क्रोध करेगा, वह कचहरी में दण्ड के योग्य होगा: और जो कोई अपने भाई को निकम्मा कहेगा वह महासभा में दण्ड के योग्य होगा; और जो कोई कहे "अरे मूर्ख" वह नरक की आग के दण्ड के योग्य होगा।
23 इसलिये यदि तू अपनी भेंट वेदी पर लाए, और वहां तू स्मरण करे, कि मेरे भाई के मन में मेरी ओर से कुछ विरोध है, तो अपनी भेंट वहीं वेदी के साम्हने छोड़ दे।
24 और जाकर पहिले अपने भाई से मेल मिलाप कर; तब आकर अपनी भेंट चढ़ा।
25 जब तक तू अपने मुद्दई के साथ मार्ग ही में हैं, उस से झटपट मेल मिलाप कर ले कहीं ऐसा न हो कि मुद्दई तुझे हाकिम को सौंपे, और हाकिम तुझे सिपाही को सौंप दे और तू बन्दीगृह में डाल दिया जाए।